

मुहावरे

* अंकुर जमाना	- प्रारंभ करना ।
* अपने पैरों पर खड़ा होना	- आत्मनिर्भर होना ।
* आँच न आने देना	- संकट न आने देना ।
* आँखों में सैलाब उमड़ना	- फूट-फूटकर रोना ।
* आँखें फटी रहना	- आश्चर्यचकित रह जाना ।
* आईने में मुँह देखना	- अपनी योग्यता जाँचना ।
* आसमान के तारे तोड़ना	- असंभव कार्य करना ।
* ईंट का जवाब पत्थर से देना	- कड़ा जवाब देना
* उधेड़ बुन में लगना	- सोच-विचार करना ।
* एक आँख से देखना	- समान रूप से देखना ।
* एक और एक ग्यारह होना	- एकता में बल होना ।
* कदम बढ़ाना	- प्रगति करना ।
* कमर कसना	- पूरी तरह तैयार होना ।
* कमर सीधी करना	- आराम करना, सुस्ताना ।
* कलाई खुलना	- भेद प्रकट होना ।
* कान देना	- ध्यान से सुनना ।
* किस्मत खुलना	- भाग्य चमकना ।
* गले का हार होना	- अत्यंत प्रिय होना ।
* गागर में सागर भरना	- थोड़े में बहुत कहना ।
* घी के दीये जलाना	- खुशी मनाना ।
* चिकना घड़ा होना	- निर्लज्ज होना ।
* चुटकी लेना	- व्यंग्य करना ।
* जबान देना	- वचन देना ।
* झंडे गाड़ना	- पूर्ण रूप से प्रभाव जमाना ।
* डंका पीटना	- प्रचार करना ।
* तितर-बितर होना	- बिखर जाना ।
* हजारों दीप जल उठना	- आनंदित हो उठना ।
* रुपये दाँत से पकड़ना	- कंजूसी करना ।
* दूध का दूध, पानी का पानी करना	- इनसाफ करना, न्याय करना ।

* नाम कमना	- यश प्राप्त करना ।
* पाँचों उंगलियाँ घी में होना	- हर तरफ से लाभ होना ।
* फूला न समाना	- अत्यधिक प्रसन्न होना ।
* बीड़ा उठाना	- किसी काम को करने की ठान लेना ।
* बाँछें खिलना	- अत्यधिक प्रसन्न होना ।
* मरजीवा होना	- कठोर साधना से लक्ष्य तक पहुँचने वाला होना ।
* मल्हार गाना	- आनंद मनाना ।
* राई का पहाड़ बनाना	- बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना ।
* लोहा मानना	- श्रेष्ठता स्वीकार करना ।
* सफेद झूठ बोलना	- पूरी तरह से झूठ बोलना ।
* सिर खपाना	- ऐसे काम में समय लगाना जिसमें कोई लाभ नहीं ।
* सिर पर सेहरा बाँधना	- अधिक यश प्राप्त करना ।
* सोना उगलना	- बहुत अधिक लाभ होना ।
* सौ बात की एक बात	- असली बात, निचोड़ ।
* हाथ-पैर मारना	- बहुत प्रयत्न करना ।
* हौसला बुलंद होना	- उत्साह बना रहना ।
* श्रीगणेश करना	- कार्य आरंभ करना ।
* दाँतों तले उँगली दबाना	- आश्चर्यचकित होना ।
* अंधे की लाठी होना	- निराधार का सहारा बनना ।
* आग से खेलना	- मुसीबत मोल लेना ।
* मुट्ठी गर्म करना	- रिश्त देना ।
* इतिश्री होना	- समाप्त होना ।
* उड़ती चिड़िया पहचानना	- तीक्ष्ण बुद्धि वाला होना ।
* हथेली पर सरसों जमाना	- कठिन कार्य करना ।
* कंचन बरसना	- धन-दौलत से परिपूर्ण होना ।
* कानों कान खबर न होना	- बिल्कुल पता न चलना ।
* गाल बजाना	- अपनी प्रशंसा आप करना ।
* घड़ों पानी पड़ना	- बहुत लज्जित होना ।
* चिकनी-चुपड़ी बातें करना	- चापलूसी करना, मीठी-मीठी बातें बोलना ।
* छाती पर साँप लोटना	- ईर्ष्या होना ।
* तूती बोलना	- प्रभाव होना ।
* दो टूक जवाब देना	- स्पष्ट बोलना ।
* नुक्ताचीनी करना	- आलोचना करना ।